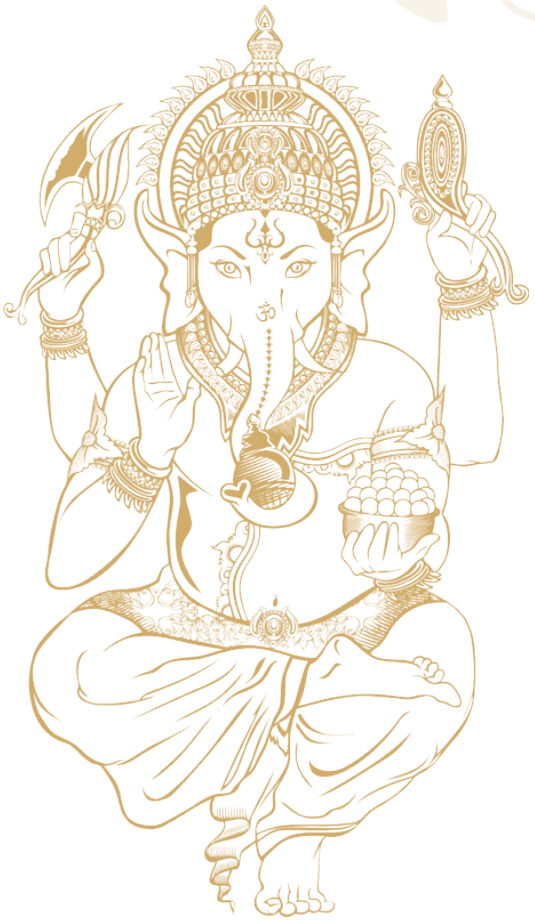

Mr.....

14 Jan 2026

01:09 PM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 120975802

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**14/01/2026**
दिन	बुधवार
जन्म समय	**13:09:00 घंटे**
इष्ट	14:44:02 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	12:47:52 घंटे
वेलान्तर	-00:08:58 घंटे
साम्पातिक काल	20:23:01 घंटे
सूर्योदय	07:15:23 घंटे
सूर्यास्त	17:45:15 घंटे
दिनमान	10:29:52 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	29:54:59 धनु
लग्न के अंश	23:43:07 मेष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मेष - मंगल
राशि-स्वामी	**वृश्चिक - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**अनुराधा - 2**
नक्षत्र स्वामी	शनि
योग	गण्ड
करण	बालव
गण	देव
योनि	मृग
नाड़ी	मध्य
वर्ण	विप्र
वश्य	कीटक
वर्ग	सर्प
युँजा	मध्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	नी-नीरज
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मकर

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मेष	23:43:07	431:18:11	भरणी	4	2	मंगल	शुक्र	शनि	---
सूर्य			धनु	29:54:59	01:01:08	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	राहु	मित्र राशि
चंद्र			वृश्चि	09:46:33	11:52:06	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	शुक्र	नीच राशि
मंगल		अ	धनु	28:43:48	00:46:29	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	मंगल	मित्र राशि
बुध		अ	धनु	25:18:23	01:36:53	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	बुध	सम राशि
गुरु	व		मिथु	25:21:09	00:08:03	पुनर्वसु	2	7	बुध	गुरु	बुध	शत्रु राशि
शुक्र		अ	मक	01:44:21	01:15:28	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	गुरु	मित्र राशि
शनि			मीन	02:51:09	00:04:39	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	राहु	सम राशि
राहु	व		कुंभ	15:53:28	00:07:16	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	शुक्र	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	15:53:28	00:07:16	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	सूर्य	शत्रु राशि
हर्ष	व		वृष	03:25:26	00:01:04	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	शनि	---
नेप			मीन	05:29:51	00:01:10	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	बुध	---
प्लूटो			मक	08:54:33	00:01:54	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
दशम भाव			मक	09:13:42	--	उत्तराषाढ़ा	--	21	शनि	सूर्य	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:21

लग्न-चलित

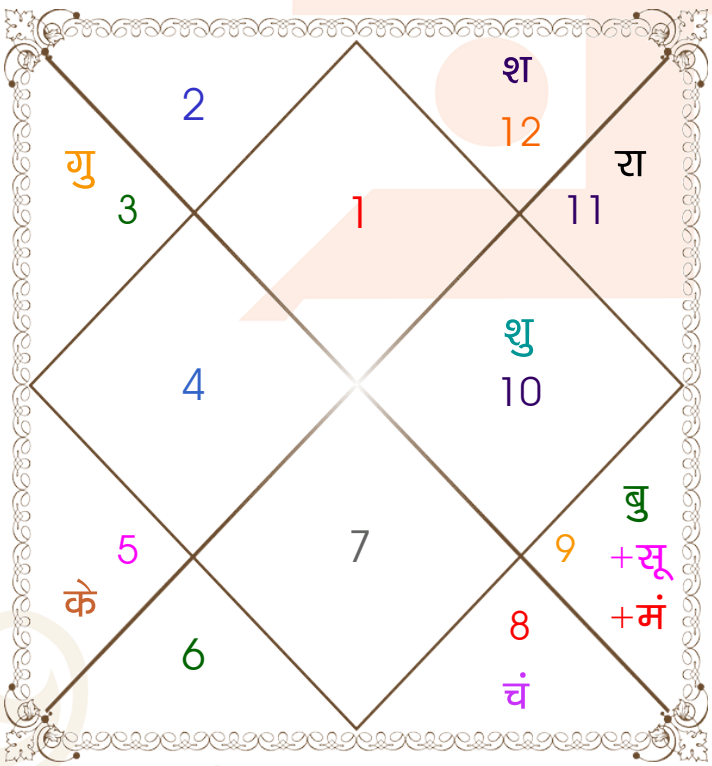

चन्द्र कुंडली

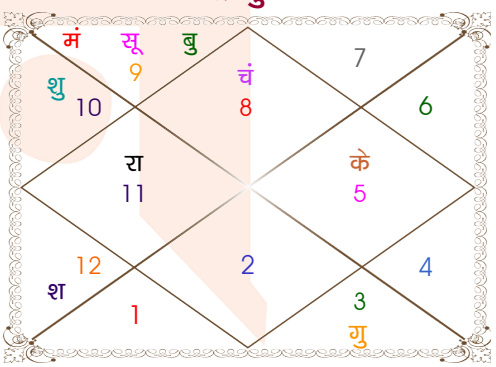

नवमांश कुंडली

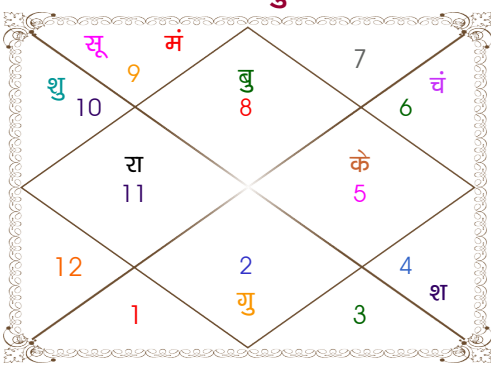

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शनि 9 वर्ष 9 मास 25 दिन

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
14/01/2026		10/11/2035		09/11/2052		10/11/2059		10/11/2079	
10/11/2035		09/11/2052		10/11/2059		10/11/2079		09/11/2085	
	00/00/0000	बुध	07/04/2038	केतु	07/04/2053	शुक्र	11/03/2063	सूर्य	27/02/2080
	00/00/0000	केतु	04/04/2039	शुक्र	07/06/2054	सूर्य	10/03/2064	चंद्र	28/08/2080
	14/01/2026	शुक्र	02/02/2042	सूर्य	13/10/2054	चंद्र	09/11/2065	मंगल	03/01/2081
शुक्र	31/10/2026	सूर्य	10/12/2042	चंद्र	14/05/2055	मंगल	09/01/2067	राहु	27/11/2081
सूर्य	13/10/2027	चंद्र	10/05/2044	मंगल	10/10/2055	राहु	09/01/2070	गुरु	16/09/2082
चंद्र	14/05/2029	मंगल	07/05/2045	राहु	28/10/2056	गुरु	09/09/2072	शनि	29/08/2083
मंगल	22/06/2030	राहु	25/11/2047	गुरु	04/10/2057	शनि	10/11/2075	बुध	04/07/2084
राहु	28/04/2033	गुरु	02/03/2050	शनि	12/11/2058	बुध	09/09/2078	केतु	09/11/2084
गुरु	10/11/2035	शनि	09/11/2052	बुध	10/11/2059	केतु	10/11/2079	शुक्र	09/11/2085

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
09/11/2085		10/11/2095		10/11/2102		10/11/2120		10/11/2136	
10/11/2095		10/11/2102		10/11/2120		10/11/2136		00/00/0000	
चंद्र	09/09/2086	मंगल	07/04/2096	राहु	24/07/2105	गुरु	29/12/2122	शनि	14/11/2139
मंगल	11/04/2087	राहु	25/04/2097	गुरु	17/12/2107	शनि	11/07/2125	बुध	24/07/2142
राहु	09/10/2088	गुरु	01/04/2098	शनि	23/10/2110	बुध	17/10/2127	केतु	02/09/2143
गुरु	08/02/2090	शनि	11/05/2099	बुध	11/05/2113	केतु	22/09/2128	शुक्र	15/01/2146
शनि	10/09/2091	बुध	08/05/2100	केतु	30/05/2114	शुक्र	24/05/2131		00/00/0000
बुध	08/02/2093	केतु	04/10/2100	शुक्र	30/05/2117	सूर्य	11/03/2132		00/00/0000
केतु	09/09/2093	शुक्र	04/12/2101	सूर्य	23/04/2118	चंद्र	11/07/2133		00/00/0000
शुक्र	11/05/2095	सूर्य	11/04/2102	चंद्र	23/10/2119	मंगल	17/06/2134		00/00/0000
सूर्य	10/11/2095	चंद्र	10/11/2102	मंगल	10/11/2120	राहु	10/11/2136		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शनि 9 वर्ष 9 मा 20 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

ज्योतिष गणना के अनुसार आपका जन्म उस समय हुआ जबकि मेदिनीय क्षितिज पर मेष लग्न उदित था। आपका जन्म भरणी नक्षत्र के चतुर्थ चरण में वृश्चिक राशि के नवमांश तथा धनु राशि के द्रेष्काण में हुआ था। गणना के संकेतों से आपके जीवन का वास्तविक चित्र स्पष्ट हो रहा है कि यदि आप अपने जीवन के कार्यकलापों का निष्पादन अपनी योजना के पक्ष में पूर्ण आश्वस्त होकर समयानुकूल कर सके तो आप निश्चित रूप से अपने उद्देश्य को सफल कर सकेंगे।

सामान्यतः स्पष्ट रूप से यह अभिप्राय प्रकट हो रहा है कि आप दीर्घजीवी होकर सुख पूर्वक स्वस्थ जीवन का आनंद प्राप्त करेंगे। आप निरोग एवं पश्चाताप रहित जीवन बिताएंगे। बृश्चिक नवमांश के प्रभाव आपके लिए सुरक्षा कवच के समान है। यह संभव है कि आप अपने जीवन की न्यूनता को त्याग देंगे। यदि ऐसा न हो सका तो आप दैन्यता और शारीरिक रोग के शिकार हो जाएंगे। यह आवश्यक नही है कि आपको संकट के आने की कोई पूर्व सूचना विदित हो सके। आप में अपार शक्ति साहस और सामर्थ्य से युक्त प्राणी हैं। आप अपने जीवन में लाभ प्राप्त करने तथा अपनी अभिलाषा की पूर्ति हेतु सुयोग्य एवं सक्षम प्राणी होंगे।

आप अपने रास्ते में आने वाली बाधाएं और बुराईयों को बाहर हटाने में समर्थ हों। आप स्वयं अपनी बुद्धि से अपनी महत्वकांक्षा की पूर्ति के लिए बिना किसी सहयोग के पूरी तन्मयता के साथ समर्पित भाव से एवं विश्वास पूर्वक संपादन कर सकेंगे। भगवान आपको अवश्य ही निर्भयता प्रदान करेंगे। आप अपने सभी कार्यों को संपादन हेतु लंबी दूरी तय करने में भी किसी की सहायता अथवा साथ लेने की परवाह नहीं करेंगे।

वास्तव में आपके जीवन के 25 वें वर्ष से आपका स्वर्णिम काल प्रारंभ होगा। आप बहुत बड़े धन शक्ति और संपन्नता से युक्त हों जाएंगे। आप बहुत उन्नति प्राप्त करके धन, भूमि, भवन, वाहन एवं सेवकों से युक्त हो जाएंगे। आपके आदेश को आपके सेवक अनुमोदन एवं अनुपालन करेंगे। आपके सुख पूर्वक जीवन व्यतीत करने में आपके अधीनस्थ सेवा करने वाले सेवक तथा अनुचर आपके आदेशानुसार आचरण करेंगे।

आप स्वभावतः बहुत बड़े कामुक प्राणी है। यदि आप क्षणिक आनंद के लिए संयोगात्म प्रवृत्ति से किसी भी विपरीति योनि के साथ क्षणिक सुख भोग हेतु जोखिम उठाएंगे तो वह किसी भयंकर रोग का सूचक होगा। उत्तम तो यह होगा कि आप प्रतिबंधित क्षेत्र अर्थात् अपने घर में किसी पसंदीदा या अधिकृत विपरीत योनि के साथ ही शारीरिक सुख-भोग का आनंद प्राप्त करें।

यदि आप अपनी उच्चाकांक्षा को प्राप्त करना चाहते है, तो स्वप्निल विचारों का त्याग करें एवं कठिन परिश्रम करने के प्रति सतर्क रहे तो वास्तव में आप अपने उद्देश्य की पूर्ति हेतु निश्चित रूप से समर्थ हों जाएंगे।

आपके समक्ष जो कुछ भी व्यवधान आ जाए तो आप में यह सामर्थ्य है कि आप अपनी जान्मजात नेतृत्व की क्षमता द्वारा अपने साहस और महत्वाकांक्षित भावना से स्पष्ट कर लेंगे।

यदा-कदा आप क्रोधित होकर अधिक जिद्द पकड़ लेते हैं तथा अपने मित्रों से असंतुष्ट होकर उनके साथ क्षमतापूर्वक व्यवहार नहीं कर पाते हैं।

आप अपने मित्रों की लंबी सूची के अनुरुप उनसे मिलने-जुलने के कार्यक्रम त्याग करने योग्य है। फिर भी आपके कुछ ऐसे मित्र हैं जो पूरे मन से आपको उन्नति के मार्ग में सहयोग प्रदान करते हैं। आप को बार-बार मित्रता के लिए होने वाली यात्राओं का कुछ समय के लिए प्रतिबंधित करना चाहिए। अर्थात् यात्रा बंद कर दें। यात्रा क्रम में आप देश के विस्तृत और विभिन्न स्थान के व्यक्तियों के साथ मित्रता संबंध स्थापित करेंगे।

आप भली प्रकार अपना पारिवारिक जीवन व्यतीत करेंगे। आपकी साहसिक प्रवृत्ति एवं अतिरिक्त क्रिया-कलाप से कई अन्य द्वेष भी रखेंगे। आप अपनी माता के प्रति पूर्ण आस्थावान रहेंगे तथा आपका दाम्पत्य जीवन अच्छी प्रकार संचालित रहेगा। आप स्थिर चित्त से अपने परिवार के हित में समय लगाएंगे। आपके पारिवारिक सदस्य आपके उत्तेजनात्मक जीवन से दुखी रहेंगे।

आपके लिए मंगलवार, गुरुवार, रविवार एवं सोमवार उपयुक्त एवं भाग्यशाली दिन है। शुक्रवार, शनिवार एवं बुधवार तीन दिन आपके लिए प्रतिकूल एवं व्ययकारी होंगे।

आपके लिए लाभप्रद एवं प्रमाणित अंक 9 एवं 1 अंक है।

आप अपने जीवन के लिए रंग लाल, पीला और स्वर्णिम रंग को पसंद करेंगे। आपको हर दशा में काले रंग का त्याग करना चाहिए।